भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 636

बुधवार, 16 सितंबर, 2020 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी

636. **श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:**
श्री कुरुवा गोरांतला माधव:
डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कुछ सुधारों को मंजूरी दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस तरह के कदम के बारे में वैज्ञानिक समुदाय के सदस्यों की चिंताओं के बारे में सरकार को पता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या चिंताओं को कम करने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार के पश्चात् न्यू स्पेस इण्डिया लिमिटेड (एनएसआईएल) की भूमिका का ब्यौरा क्या है; और

(च) इसरो के साथ कितनी निजी कंपनियां साझीदारी कर रही हैं और उनका आज की तिथि तक क्षेत्र/सेक्टर-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) और (ख)

जी हां, सरकार ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने, प्रोत्साहित करने तथा ठोस सहायता प्रदान करने हेतु अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रोत्साहन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन्स्पेस) का सृजन किया है। इन्स्पेस के माध्यम से निजी क्षेत्र के पक्षकार भी इसरो की अवसंरचना का उपयोग कर पाएंगे।

(ग) और (घ)

वैज्ञानिक समुदाय के सदस्यों को विस्तार से सरकार के निर्णय के बारे में बताया गया और वैज्ञानिक समुदाय ने सरकार के निर्णय का स्वागत किया।

(ङ) अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार के पश्चात् प्रमोचन राकेटों का निर्माण, प्रक्षेपण सुविधाएं प्रदान करना, उपग्रहों का निर्माण, अंतरिक्ष आधारित सेवाएं प्रदान करना, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण इत्यादि एन एस आई एल की भूमिका होगी।

(च) 500 से अधिक कंपनियां अंतरिक्ष संबंधी क्रियाकलापों में इसरो के साथ साझीदारी कर रही हैं। मोटे तौर पर निजी कंपनियों द्वारा आवृत क्षेत्रों/सेक्टरों में सामग्रियां प्रदान करना, यांत्रिक संविरचन, इलेक्ट्रानिक संविरचन, प्रणाली विकास, समाकलन, इत्यादि शामिल हैं।

***